सफलता की कहानी– श्री भागीरथ राम

भागीरथ राम पुत्र श्री मांगीलाल भंवरिया उम्र 48 साल गांव पोपावास जिला जोधपुर के निवासी हैं। पिछले कई वर्षों से पारम्परिक तरीके से खेती करते आ रहा हैं। कृषक प्रथम परियोजना के माध्यम से साल 2017 में काजरी, जोधपुर के सम्पर्क में आए और यह उन्नत तकनीक से खेती कर रहे हैं। साल 2017 की खरीफ की बुवाई के लिए इन्हें परियोजना की तरफ से 2 बीघा खेत के लिए 4 कि.ग्रा. मूंग की उन्नत किस्म आईपीएम 2–3 का बीज दिया गया। जिससे इनको 3 क्विंटल की उपज प्राप्त हुई।

उसी बीज की इन्होंने साल 2018 में बीज के रूप में अपने खेत में एक हेक्टेयर में बुवाई की। काजरी वैज्ञानिकों की सलाह तथा वर्षा जल संरक्षण की बदौलत इन्हें 8 क्विंटल उपज प्राप्त हुई जब इनका गांव सूखे से प्रभावित था । इन्होंने प्राप्त उपज में से 6 क्विंटल को न्युनतम सर्मथन मूल्य 6975 प्रति क्विंटल के भाव से FCI मण्डी, जोधपुर में बेचकर रूपये 41850 प्राप्त किये तथा 2 क्विंटल अपने घरेलू उपयोग और अगले साल अपने व आस–पास के किसानों के लिए बीज उपयोग हेतु रख ली। इनकी उपज देखकर पोपावास गांव के बहुत से किसान उन्नत किस्म के बीज बोने के इच्छुक हैं। सभी कृषि गतिविधियों तथा खेत की जुताई, निराई–गुड़ाई, कटाई, कीट निवारण तथा थ्रेसिंग में कुल लागत रूपये 25325 / हेक्टेयर आई जिससे उनको रू. 16525 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। उसके साथ–साथ काजरी ने कृषक प्रथम परियोजना के माध्यम से इन्हें NAARM हैदराबाद में किसानों की आय दुगुना करने का 3 दिवसीय प्रशिक्षण भी प्राप्त करने के लिये सहायता की उसका नतीजा यह है कि उनके दुगुना लाभ भी मिल रहा है। निरन्तर काजरी वैज्ञानिकों की सलाह व उन्नत तरीके से खेती कर भागीरथ जी आज अच्छी पैदावार ले रहे हैं तथा इनकी आमदनी भी बढ़ रही है।